प्रैस नोट : बागवानी योजनाएं किसानों के लिए बनी मील का पत्थर

नवनियुक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि विभाग ने किया बागवानी केंद्रों का दौरा

कृषि विभाग की नवनियुक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमति सुमिता मिश्रा ने सोमवार को बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ.अर्जुन सिंह सैनी के साथ सब्जी उत्कृष्टता केंद्र, घरौंड़ा करनाल, उद्यान प्रशिक्षण संस्थान, उचानी करनाल एवं एकीकृत मधुमक्खी पालन केंद्र, रामनगर कुरूक्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि बागवानी विभाग किसानों को हर वह संभव मदद मुहैया करा रहा है। जिसके द्वारा किसान अपनी आय दुगनी कर सकते हैं। इस मदद में विभाग द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता की सब्जियों की पौध एवं बीज, संरक्षित खेती का प्रशिक्षण एवं विभिन्न योजनाओं पर अनुदान उपलब्ध करवाना है, जो किसानों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है।

सरकार प्रयासरत किसान अधिक से अधिक बढ़ाए बागवानी का क्षेत्र

सब्जी उत्कृष्टता केंद्र, घरौड़ा करनाल में विजीट के दौरान कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमति सुमिता मिश्रा ने पॉली हाउस, नेट हाउस, लो-टनल, वाक-इन टनल में उगाई जा रही सब्जियों का निरीक्षण किया ओर उनके बारे में विभाग के अधिकारियों से जानकारी हासिल की। सेंटर के उप-निदेशक ने श्रीमति मिश्रा जी को बताया कि यहां किसानों को विभिन्न सब्जियों की पौध उचित दरों पर उपलब्ध करवाई जाती है। इसके अलावा इस सेंटर पर किसानों को संरक्षित खेती करने का समय पूर्ण रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि इस खेती की बारिकियों बारे किसान सही जानकारी हासिल कर सकें। प्रदेश के अलावा देश विदेश से भी किसान एवं विशेषज्ञ इस सेंटर पर विजीट कर संरक्षित खेती की जानकारी हासिल कर रहे हैं। श्रीमति मिश्रा ने कहा कि सरकार इसी प्रयासरत में है कि बागवानी का क्षेत्र अधिक से अधिक बढ़ाया जाए। किसान परम्परागत खेती की बजाय बागवानी खेती की ओर अधिक बढ़े। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग भी है, इसी के जरिए किसान अपनी आय में इजाफा कर सकते हैं।

उद्यान प्रशिक्षण संस्थान के कोर्सों के बारे में ली जानकारी

उद्यान प्रशिक्षण संस्थान, उचानी करनाल की विजीट के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि विभाग को डॉ. अर्जुन सिंह सैनी, महानिदेशक बागवानी ने संस्थान में करवाए जा रहे कोर्सों बारे अवगत कराया। संस्थान के प्रिसिंपल डॉ.जोगिंद्र घनघस ने विस्तार से श्रीमति मिश्रा जी को बताया कि यहां प्रदेश के किसानों को संस्थान के प्रशिक्षण कलेंडर अनुसार विभिन्न प्रकार के बागवानी का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा किसानों को एक्पोजर विजीट के लिए विभिन्न राज्यों में ले जाया जाता है। यही नहीं महिलाओं को स्वयं रोजगार खोलने के उदेश्य से उन्हें भी मुफत में खाद्य वस्तुएं बनाने का प्रषिक्षण दिया जाता है। संस्थान में माली एवं सुपरवाइजर के कोर्सों को करवाने की जानकारी भी अतिरिक्त मुख्य सचिव,कृषि विभाग को दी गई।

महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय को लेकर हुई बैठक

उद्यान प्रशिक्षण संस्थान, उचानी करनाल में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य को लेकर बैठक की गई। बैठक में कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमति सुमिता मिश्रा, बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ.अर्जुन सिंह सैनी, विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो.समर सिंह एवं रजिस्ट्रार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। बैठक में विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों को लेकर चर्चा की गई। विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो.समर सिंह ने कहा कि बागवानी विश्वविद्यालय का कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही कार्य को पूर्ण

कर लिया जाएगा। बैठक में श्रीमति मिश्रा ने कहा कि बागवानी विश्वविद्यालय के बनने से बागवानी खेती पर विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्रकार के रिसर्च किए जाएगे, जो बागवानी खेती में काफी कारगर साबित होगें। उन्होंने कहा कि बागवानी की डिग्री हासिल करने पर युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होगे। महानिदेशक उद्यान ने कहा कि विश्वविद्यालय बागवानी किसानों के लिए काफी मददगार साबित होगा। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमति मिश्रा को महानिदेशक, बागवानी द्वारा एकीकृत मधुमक्खी पालन केंद्र, रामनगर कुरूक्षेत्र की विजीट भी कराई गई। इस सेंटर के उप-निदेशक डॉ. बिल्लू यादव ने मधुमक्खी पालकों को दी जाने वाली सुविधाओं बारे उन्हें अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किसानों के शहद की प्रोससिंग बहुत कम दाम पर उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा मधुमक्खी के बाक्स भी अनुदान पर मधुमक्खी पालकों को दिए जाते हैं। डॉ.यादव ने कहा कि किसानों को मधुमक्खी पालन से संबंधित सभी प्रकार का प्रशिक्षण सेंटर पर दिया जाता है।